12.04 hrs. Title: Regarding alleged killing of people belonging to Scheduled Castes, Backward Classes and minorities in Uttar Pradesh.

कुमारी मायावती (अकबरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े हुये मामले को आज लोकसभा में उठाना चाहती हूं जिसके कारण उत्तर प्रदेश में आये दिन हर प्रकार के अपराध बढ़ते हुये नज़र आ रहे हैं। मैं माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान हर प्रकार के अपराधों की ओर आकर्ति नहीं करना चाहूंगी, लेकिन मैं ऐसे अपराधों की तरफ न केवल इनका बल्कि माननीय प्रधान मंत्री जी का भी ध्यान आकर्ति कराना चाहूंगी, जिसमें खासकर अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के लोग, धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

मैं हाउस में कोई सुनी-सुनाई बात बताने नहीं जा रही हूं। जहां-जहां पर ये घटनाएं घटी हैं, दलित, पिछड़ों, धार्मिक अल्पसंख्यकों से संबंध रखने वाले सबसे बड़े अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोगों पर जो घटनाएं घटी हैं, उनके कुछ एग्जाम्पल मैं आपके सामने रखने जा रही हूं। जहां मैं खुद मौके पर गई हूं। सबसे पहले मैं अलीगढ़ के बारे में बताना चाहती हूं। अलीगढ़ जिले में जून के महीने में एक ही परिवार के पांच शेड्यूल्ड कास्ट के सोते हुए लोगों पर रात में लगभग 12 बजे आक्रमण हुआ, उन पर गोलियां चलाई गईं और हत्यारे यह सोचकर भाग गये कि पांचों लोगों की हत्याएं हो गई हैं। लेकिन वे बच गये थे। जब आसपास के लोग उन्हें रात को 12 से एक बजे के बीच अस्पताल ले जा रहे थे तो हत्यारों को मालूम पड़ा कि जिन्हें वे मारकर आये हैं वे बच गये हैं तो उन्होंने रात्रि में दोबारा उन पर आक्रमण किया। रात्रि में फिर उन पर गोलियां चलाई गई, तब वे मारे गये। यानी शेड्यूल्ड कास्ट के एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्याएं हुई।

अध्यक्ष महोदय, जून महीने की घटना मैं आपको बता रही हूं। इतना ही नहीं, इसके बाद फतेहपुर जिले में अति पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले सात लोगों की हत्याएं करके उन्हें कुएं में फेंक दिया गया। वहां अंग्रेजों के जमाने का कुआं बना हुआ था। मैं खुद उस गांव में मौके पर गई हूं। जहां सात लोगों को मारकर कुएं में फेंक दिया गया था। कुएं में फेंकने के बाद जो ईंटें कुएं में लगी हुई थी, उन्हें उखाड़कर कुएं में डाला गया, ताकि यदि कोई जीवित बच गया हो तो वह भी मर जाए। इतनी निर्दयता और बेदर्दी से उनकी हत्याएं हुईं और उसके बाद फतेहपुर जिले में दिनदहाड़े शेड्यूल्ड कास्ट के पांच लोगों की हत्याएं हुईं। मैं हाउस को बताना चाहती हूं कि आपको यह जानकर बड़ा दुख होगा कि किस तरीके से शेड्यूल्ड कास्ट के पांच लोगों की हत्याएं हुई। ये एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्याएं हुई। जितनी दूर लोक सभा से पार्लियामैन्ट का मुख्य द्वार है, गांव से उतनी दूर उनका खेत होगा। दो महिलाएं खेत में काम करने के लिए गई थीं। यह लगभग तीन-चार बजे के आसपास की घटना है। शेड्यूल्ड कास्ट की दो महिलाओं को खेत में काम करते हुए बेदर्दी से लाठी-डंडों से मारा। पूरे गांव के लोग देखते रहे। उसके बाद हत्यारे गांव में आये और उनके परिवार के जो तीन मैम्बर बचे हुए थे, उसके बाद उन्हें मारा। इतना ही नहीं, उनके परिवार में एक दस साल की लड़की थी। उसके परिवार के लोगों के सामने दस साल की लड़की का रेप किया और उसके बाद उसकी हत्या की। इस तरह से फतेहपुर में शेड्यूल्ड कास्ट के पांच लोगों की हत्याएं हुई। मैं खुद फतेहपुर गई हूं। मैं बताना चाहती हूं कि जिस दिन ये हत्याएं हुईं, मैंने फतेहपुर के अपने लोगों को कहा, और वहां हमारे दो विधायक हैं, उनको भी कहा कि मैं कल उधर आ रही हूं। जैसे ही वहां के प्रशासन को मालूम पड़ा कि मैं कल फतेहपुर आ रही हूं। कई घंटे के बाद उनकी डैड बॉडीज को उठाकर लाया गया। उसके बाद उन्होंने कहा कि डैड बॉडीज का पोस्टमार्टम कल दोपहर को दो बजे के बाद करेंगे। लेकिन प्रशासन को मेरे आने का मालूम पड़ने पर उन्होंने अफरा-तफरी में रात को बारह से एक बजे के बीच में डैड बॉडीज का पोस्टमॉर्टम कर दिया। कैसे मौसम में उन्होंने पोस्टमॉर्टम किया, वहां बरसात हो रही थी। अस्पताल में खुली बरसात में उनका पोस्टमार्टम हुआ। जो डाक्टर पोस्टमार्टम कर रहा था उसके ऊपर छतरी लगी है। जिन पांच लोगों की हत्याएं हुई थी, उनकी डैड बॉडीज बरसात में भीग रही थीं। वहां डाक्टर के ऊपर छाता लगा था और बरसात में डैड बॉडीज पड़ी थीं, जब उनका पोस्टमार्टम किया गया,

उनके परिवार के लोग बोल रहे थे कि हमें डैड बॉडीज दे दो लेकिन नहीं दीं। जबकि हिन्दू रीति के मुताबिक दाह-संस्कार कभी रात को नहीं होता है, दिन में होता है, वहां के प्रशासनिक अधिकारियों ने डैड बॉडीज़ को पोस्टमार्टम करने के बाद उनके परिवार के लोगों को नहीं दिया। वह रोते-बिलखते अपने घर गए और प्रशासन ने रात को डैड बॉडीज़ को 12-1 बजे के बीच में गंगा में फेंक दिया। उनको दाह-संस्कार करने का मौका भी नहीं दिया। अलीगढ़ और फतेहपुर में शैड्यूल्ड कास्ट के लोगों की इतनी बेदर्दी से हत्याएं हुई हैं। पिछले महीने जुलाई में मुरादाबाद जिले में छः मुस्लिम समाज के लोगों की हत्या हुई। माननीय प्रधान मंत्री और गृह मंत्री से निवेदन है कि यह मामला बहुत गंभीर है और खास तौर से अलीगढ़ और फतेहपुर में जिन लोगों की हत्याएं हुई हैं और जिनके लोग मारे गए हैं उनके परिवार के लोगों ने नामजद रिपोर्ट लिखाई हैं। जो नामजद रिपोर्टें हैं, उनका संबंध भारतीय जनता पार्टी के लोगों से है लेकिन अभी तक किसी को पकड़ा नहीं गया है। इसलिए गृह मंत्री जी और प्रधान मंत्री जी से मैं कहना चाहती हूं कि यह दलितों की हत्याओं और पिछड़ों की हत्याओं और मुस्लिम समाज की हत्याओं का मामला बहुत गंभीर है। आप इसमें दखल दें और इसकी उच्च-स्तरीय जांच कराकर अर्थात सीबीआई द्वारा जांच कराकर जो भी असली मुल्ज़िम हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, यही मेरा निवेदन है।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, हमें भी दो मिनट बोलने की इजाजत दें।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : तीन-चार बार आपने यही मुद्दा सदन में उठाया है। मंत्री जी रिप्लाइ देंगे, उनको सुनें।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आखिर कारण क्या है? अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। मैं मैनपुरी का जिक्र करता हूं, आप जांच करा लीजिए। फतेहपुर में, मुरादाबाद में, अलीगढ़ में जितनी हत्याएं हो रही हैं, उनमें अपराधियों को सज़ा नहीं दी जा रही है। मैनपुरी की घटना के बारे में मैंने गृह मंत्री से टैलीफोन पर कहा कि आप जांच करा लें, जो माफिया थे, जो सूचीबद्ध डकैत थे, उनको सज़ा नहीं दी गई। तीन लड़कियों का बलात्कार मुरादाबाद में हुआ, हत्याएं की जा रही हैं मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। सवाल यह है कि यह बढ़ेगा तो आप इसको रोक नहीं पाएंगे। वहां मारे जाने वालों में पिछड़े, दलित, मुस्लिम तो हैं ही, मैं मैनपुरी में राजपूतों की बात बता रहा हूं। तीन महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और आज पता चला कि सीआईडी जांच के आदेश किए और जांच के आदेश करते ही दो और की हत्या हो गई। पूरा प्रदेश आज दहशत में है। वहां ब्राह्मण हो, ठाकुर हो, बनिये हो, मुसलमान हो, कायस्थ हो, सब लखनऊ में, कानपुर में, बनारस में बुरी तरह से सताए जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : रोज़ आप उत्तर प्रदेश के बारे में डिसकस कर रहे हैं, ये क्या कर रहे हैं?

श्री मुलायम सिंह यादव : यह सही है कि उनको दाह-संस्कार करने का भी मौका नहीं दिया जाता है। अभी बनारस में गोली चलाकर हत्या कर दी और रात के ढाई बजे पुलिस ने दाह-संस्कार कर दिया। परिवार वालों को लाश भी नहीं दी जाती। एक परसराम यादव की लाश को रिश्तेदारों को भी नहीं दिया। यह आज तक कभी नहीं हुआ। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप किसी और को बोलने का मौका नहीं देंगे?

श्री मुलायम सिंह यादव : आज गुण्डों का राज उत्तर प्रदेश में है और मेरी मांग है कि डेढ़ दर्जन मंत्री उत्तर प्रदेश में ऐसे हैं जिनकी आप जांच कराएं। हम गृह मंत्री

जी से सहमत हैं कि अपराधीकरण रोकना चाहिए। अगर आप अपराधीकरण रोकना चाहते हैं तो उत्तर प्रदेश के डेढ़ दर्जन मंत्रियों को अभी बर्खास्त करके उन पर मुकदमा चलाना चाहिए। अपने आप अपराधी रुकेंगे। क्या अपहरण हो जाएं, झुनझुनवाला का अपहरण हो जाए और लोगों को पता न चले, नाकेबंदी हो जाए?â€¦(व्यवधान)

और अभी छपा है कि 10 करोड़ रुपये का लेनदेन एक मंत्री के घर में हुआ है। मंत्री उसके बीच में है। हम अपराधीकरण रोकने के पक्ष में हैं, हम आपका साथ देंगे।

लेकिन, प्रधान मंत्री जी से, सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार के अंदर बैठे डेढ़ दर्जन उन मंत्रियों को बर्खास्त करिए जिनके घरों में यह सब कुछ होता है। चाहे जेलर मारा जाए â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, यह क्या है, आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश मेंâ€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, he should also be allowed to speak. ...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश जल रहा है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों और दलितों की हत्याएं हो रही हैं। वहां कोई नहीं बचा है। सबको परेशान किया जा रहा है। चाहे वह उद्योगपति है, चाहे वह व्यापारी है, सबको परेशान किया जा रहा है। वहां हत्यारों को असलाह के लाइसेंस दिए जा रहे हैं और सी.आई.डी. की जांच अपराधियों की नहीं की जा रही है। इसीलिए हम कह रहे हैं कि अपराधियों और गुंडा प्रवृत्ति के लोगों को लाइसेंस देना बन्द कीजिए। मैं चाहता हूं कि हत्याओं की जांच के लिए इस सदन की एक कमेटी बैठा दीजिए और यदि उत्तर प्रदेश के मंत्रियों का उनमें लिप्त होना साबित नहीं होता है, तो मैं अपना इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि आपके उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल में अपराधी प्रवृत्ति के लोग न हों, जिनके ऊपर मुकदमे चल रहे हों, जिनके वारंट निकले हों, ऐसे लोग न हों, तो मैं यहां से इस्तीफा देकर चला जाऊंगा। एक के तो वारंट निकले हुए थे, पुलिस खोज रही थी, शपथ पहले ले ली और शपथ लेने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट से स्टे हुआ। क्या आप अपराधी मंत्रियों के बल पर सरकार चलाएंगे।â€¦(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है। क्या आप इन अपराधियों के बल पर उसको ठीक कर सकते हैं ? मैं आपको सावधान करना चाहता हूं â€¦(व्यवधान) अपराधी तत्व सरकार में शामिल होंगे, तो अपराध बढ़ेंगे। रोजाना अपराध होते हैं। मैंने मैनपुरी का नाम लिया। मैं चाहता हूं कि सदन की कमेटी बैठे, सी.आई.डी. की जांच की मैं नहीं कह रहा हूं।â€¦(व्यवधान)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में पिछले छः महीने से â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Shriprakash Jaiswal, you can associate yourself with what he has said.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not allowing the hon. Minister to give a reply. क्या हाउस में बोलने का कोई नियम नहीं है ?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat now.

...(*Interruptions*)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में पिछले छः महीने में दलितों के पांच हत्याकांड हुए हैं। सबसे पहला बाराबंकी में हुआ, दूसरा हरदोई में हुआ। जैसा कि यहां अलीगढ़ के बारे में कहा गया, बात सही है कि अलीगढ़ में लगभग एक दर्जन दलितों को पीटा गया और करीब सात दलित मारे गए। मैं एक डैलीगेशन लेकर वहां गया था। वहां पूरी जांच की गई और पता लगा कि जब से वहां के एम.एल.ए. बने हैं जो कि एक सवर्ण वर्ग के हैं, उनके इशारे पर सात हत्याएं की गईं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, बड़ी गंभीर समस्या है। पूरा उत्तर प्रदेश जल रहा है। पूरे उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। फतेहपुर में एक गडरिया बिरादरी, ओ. बी.सी.बिरादरी के लोगों की उनके थाने में ही हत्या कर दी गई, लेकिन पूरा थाना और थानेदार बरकरार रहा और 10 रोज के अंदर जिस नृशंस तरीके से हत्याएं हुईं उससे पूरा क्षेत्र दंग रह गया और कोई उनके प्रतिकार की हिम्मत नहीं जुटा सका।

माननीय अध्यक्ष जी, सबसे शर्मनाक बात यह है, पूरा जनपद जानता है, पूरा प्रदेश जानता है कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ने â€¦(व्यवधान) थाने के अंदर हत्या की गई। जिन परिस्थितियों से हमारा उत्तर प्रदेश वर्तमान में गुजर रहा है और हमारे प्रदेश के अंदर जो कानून और व्यवस्था की स्थिति है, वह इतनी बदतर है कि उसके बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। अपराधी मंत्री बने हुए हैं। मंत्रियों की सांठगांठ पुलिस के साथ है, मंत्रियों की थाने के साथ सांठगांठ है। उस क्षेत्र की पुलिस बिक रही है, डी.एम. बिक रहा है, अधिकारी बिक रहे हैं और कोई भी कंट्रोल उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री और सरकार का नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि जितने भी हत्याकांड हुए हैं, उन सब की सी.बी.आई. इन्क्वायरी हो और हत्यारों तथा अत्याचारियों द्वारा बनी उत्तर प्रदेश की सरकार को तुरन्त बर्खास्त किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, मैं कई बार कह चुका हूं कि सारे हत्याकांडों की न्यायिक जांच होनी चाहिए। मैंने हर हत्याकांड के बाद कहा है कि अगर यह सरकार कहती है कि वह निर्दोा है, तो क्यों नहीं इन हत्याकांडों की न्यायिक जांच कराती है ? मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है और मैं आपसे मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार् को निर्देशित करें कि सारे हत्याकांडों की न्यायिक जांच हो और जो भी मंत्री या अधिकारी दोाी पाए जाएं, उनको कड़े से कड़ा दंड दिया जाए। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Dr. Vijay Kumar Malhotra says.

(Interruptions) *

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, भी हमारे कांग्रेस के साथी, बोले, मुलायम सिंह जी और मायावती जी बोलीं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Dr. Malhotra.

(Interruptions) *

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, मायावती जी ने बहुत सारी बातें कहीं। मैं कहना चाहता हूं कि यदि किसी भी अल्पसंख्यक या दलित पर अत्याचार हो, तो वह गलत बात है और उसे रोकना चाहिए, लेकिन ये लोग जिन्होंने राजनीति का अपराधीकरण किया है वे ही ऐसी बात कह रहे हैं और उस पार्टी से कह रहे हैं जो हमेशा राजनीति के अपराधीकरण की विरोधी रही है और आप उसी सरकार के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि आप बिलकुल गलत आरोप लगा रहे हैं।

इनकी पार्टी का एक जनरल सैक्रेटरी दूसरे जनरल सैक्रेटरी को गोली मारता है और गोली मारने के बाद वह वहां प्रदेश के अध्यक्ष पर आरोप लगाता है कि प्रदेश के अध्यक्ष ने मारा है। इनके यहां राजस्थान में कितने दलितों की हत्या हुई है। राजस्थान में किस प्रकार उन पर आक्रमण किए जा रहे हैं। राजस्थान में, जहां इनकी सरकार है, एक मस्जिद को कैसे तोड़ा गया।â€¦(व्यवधान) ये यहां इस तरह की बातें कर रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, it is not correct. â€¦ (*Interruptions*) You are creating problems for the hon. Prime Minister and not us. ...(*Interruptions*) You are bringing problems for the hon. Prime Minister to keep the secular amity in the country. ...(*Interruptions*)

* Not Recorded

डॉ.गिरिजा व्यास (उदयपुर) : सरकार ने उसी वक्त कार्यवाही की है।â€¦(व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : ये श्रीमती फूलन देवी की हत्याकांड का बहुत सवाल उठाते हैं। कल जब गृह मंत्री जी उत्तर दे रहे थे तो सदन नहीं चलने दिया। ये आरोप लगाते हैं और आरोप लगाने के बाद भाग जाते हैं।â€¦(व्यवधान) अब वही लोग बगले झांक रहे हैं जिन्होंने आरोप लगाए थे। भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाने के बाद इन पार्टियों को खुद जवाब देना है। दलितों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की हम निन्दा करते हैं परन्तु उनके नाम पर राजनीतिक रोटियां सेकना, श वों की राजनीति करना, हम इसकी घोर निन्दा करते हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The hon. Minister of Home Affairs to speak now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except the speech of the hon. Minister.

*(Interruptions)**

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बनातवाला जी, आप सीनियर मैम्बर हैं। आप बैठ जाइए प्लीज़।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are raising the matters and you are not allowing the hon. Minister to give reply. What is this?

SHRI G.M. BANATWALLA (PONNANI): Sir, an enquiry should be there. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What is this system? I do not understand it. You are raising the matter and when the Government is going to reply, you are not allowing the hon. Minister.

...(*Interruptions*)

SHRI G.M. BANATWALLA : Sir, it must be remembered that anti-minority sentiment in Uttar Pradesh is spreading. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

* Not Recorded

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, I will take action against you. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Athawale, this is too much.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, we raised the issue of killings of minorities in West Bengal. ...(*Interruptions*) Hundreds of people are being killed by the CPI(M). The hon. Minister may please make a note of Bengal also. Please reply including West Bengal situation along with that of Uttar Pradesh. CPI(M) has been killing hundreds of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and minorities in West Bengal. You are trying to reply and they do not allow you. You reply about West Bengal also along with Uttar Pradesh. ...(*Interruptions*)

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : अध्यक्ष महोदय, यह घटना दो महीने पहले हुई है।â€¦(व्यवधान)

मैं माननीय प्रधान मंत्री जी को पत्र लिख चुका हूं। ये दो महीने के बाद कह रहे हैं कि उत्तर प्रदेश से जानकारी प्राप्त करके सूचित करेंगे।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of hon. Minister.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

गृह मंत्री (श्री लाल कृण आडवाणी) : अध्यक्ष जी, सुश्री मायावती जी ने अलीगढ़ और फतेहपुर जिले के बारे में जो घटनाएं बताई हैं, जिनमें दलितों या अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हुए हैं, उनके बारे में मैं उत्तर प्रदेश सरकार से जानकारी प्राप्त करके सदन के सामने कल वक्तव्य दूंगा।â€¦(व्यवधान)

श्री लाल कृण आडवाणी : अध्यक्ष जी, सामान्यतः आप कानून और व्यवस्था के बारे में, किसी राज्य के बारे में यहां पर सवाल उठाने नहीं देते, लेकिन जब भी

कभी दलितों के बारे में या अल्पसंख्यकों के बारे में कोई ऐसी बात आती है तो उसकी अनुमति दी जाती है। आज सुश्री मायावती जी को आपने अनुमति दी। मुझे जैसे ही जानकारी मिली, जैसे कुछ दिन पहले यहां पर मुरादाबाद के बारे में सवाल उठाया गया था, तो उसकी जानकारी मैंने की है, आप अनुमति देंगे तो मैं आज दोपहर को उसके बारे में वक्तव्य दूंगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। आप लोग क्या कर रहे हैं ? How are you raising the issues?

...(*Interruptions*)

* Not Recorded

श्री लाल कृण आडवाणी : मेरा यही निवेदन है कि हम किसी प्रदेश की कानून और व्यवस्था की स्थिति की जनरली अगर चर्चा करेंगे तो वह उचित नहीं होगा और खासकर के आज उत्तर प्रदेश में चूंकि सभी को लगता है कि चुनाव हो रहे हैं, इसलिए हमको कुछ न कुछ मामला उत्तर प्रदेश का उठाना चाहिए, यह दृष्टिकोणâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the Minister's reply.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Let him complete his reply.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the Minister's reply.

*(Interruptions)**

श्री लाल कृण आडवाणी : मुलायम सिंह जी, आपने अपनी बात कही है तो मुझे अपनी बात पूरी करने दीजिए। मुझे बात पूरी करने दीजिए।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the Minister's reply.

*(Interruptions) **

MR. SPEAKER: This is a sensitive matter. Why are you interrupting?

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Sir, people belonging to the Scheduled Caste, Scheduled Tribe and minorities are being killed in West Bengal also. The killings in West Bengal should also be discussed along with those in Uttar Pradesh.

अध्यक्ष महोदय : आप यू.पी. से बंगाल चले गये।

...(व्यवधान)

श्री लाल कृण आडवाणी : मैंने आपकी बात तुरन्त मान ली, लेकिन मैं यह जरूर कहूंगा कि संसद् की अपनी जो जवाबदारी है, केन्द्र सरकार की जो जवाबदारी है, उसके बारे में हर एक चीज का उत्तर देने को हम तैयार हैं, लेकिन हम देखते हैं कि मुरादाबाद के इश्यू को लेकर एक दिन नहीं, लगातार कभी एक पार्टी, फिर दूसरे दिन दूसरी पार्टी, फिर तीसरे दिन तीसरी पार्टीâ€¦(व्यवधान) इसके आधार पर सदन की कार्यवाही

* Not Recorded

स्थगित हो जाये, जबकि सरकार बार-बार कह रही है, प्रमोद महाजन जी, संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते कह रहे हैं कि हम इसकी जानकारी करके सदन को देंगे।

फिर जो भी अध्यक्ष कहेंगे, उसके आधार पर चर्चा होगी।â€¦(व्यवधान) आपने बात उठाई, लेकिन उनको अपनी बात कहने नहीं दी। उससे पहले वे मुझसे पूछ चुके थे। प्रमोद महाजन, संसदीय कार्य मंत्री मुझसे पूछकर गये थे कि इस प्रकार का सवाल शायद आज उठने वाला है। मैंने कहा कि आप कह दीजिए कि उत्तर प्रदेश की सरकार से पता लगाकर अमुक दिन उसके बारे में वक्तव्य देंगे, लेकिन मैंने देखा, मैं टेलीवीजन पर देख रहा था कि यह विाय उठाया गया और वे कोई जवाब दें, उससे पहले ही सदन स्थगित हो गया। यह कोई अच्छी बात नहीं है। इसीलिए मैंने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उसके कारण अगर सदन की कार्यवाही नहीं चले, एक नहीं, दो, दिन, तीन दिन तक, तो यह उचित नहीं है।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, this is not a correct statement...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing, except the reply of the Minister, would go on record.

*(Interruptions)**

श्री लाल कृण आडवाणी : मैं कह रहा हूं कि भले ही उत्तर प्रदेश में हो, लेकिन अगर दलितों के बारे में, अल्पसंख्यकों के बारे में अत्याचार की बात होगी, तो मैं वहां से जानकारी लेकर यहां जवाब दूंगा। आज यहां सुश्री मायावती जी ने अलीगढ़ और उसके बारे में कहा, मैं उसका कल जवाब दूंगा। आपने मुरादाबाद का सवाल उठाया। मैंने अध्यक्ष जी से कहा कि मुझे अनुमति दें मैं दोपहर को जवाब दूंगा। मैं हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं आपसे निवेदन करता हूं कि चुनाव का अपना महत्व है, उसको मैं कम नहीं आंकता हूंâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अभी मंत्री जी ने खत्म नहीं किया है, आप कैसे उनको रोक रहे हैं। आपको जो भी स्पटीकरण मांगना है, उनके जवाब के बाद मांगिए।

श्री लाल कृण आडवाणी : अध्यक्ष जी, आप इस विाय पर जब भी मुझे आज्ञा देंगे, सरकार को कहेंगे, हम उत्तर देंगे।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are confronting the Minister. What is this?

...(*Interruptions*)

* Not Recorded

श्री मुलायम सिंह यादव : हम इस जवाब की निंदा करते हैं और सदन का बहिकार करते हैं।

1232 hrs.

(तत्पश्चात् श्री मुलायम सिंह यादव तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य सभा-भवन से बाहर चले गये)